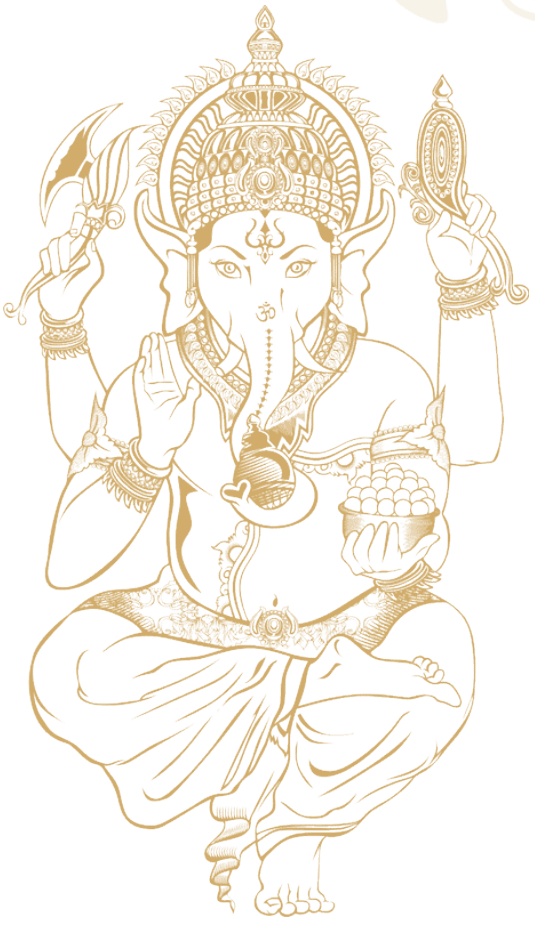

Mr. Chirag

Ms. Nupoor

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120582504

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
18/07/1987	जन्म तिथि	02/02/1990
शनिवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 17:24:00	जन्म समय	14:24:00 घंटे
घटी 30:54:42	जन्म समय(घटी)	20:20:44 घटी
India	देश	India
Calcutta	स्थान	Jabalpur
22:30:00 उत्तर	अक्षांश	23:10:00 उत्तर
88:20:00 पूर्व	रेखांश	79:57:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:23:20	स्थानिक संस्कार	-00:10:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:02:07	सूर्योदय	06:50:10
18:23:14	सूर्यास्त	17:57:50
23:40:58	चित्रपक्षीय अयनांश	23:43:20

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 2वर्ष 0मा 17दि	17:48:31	धनु	लग्न	मिथु	02:59:18	शुक्र 18वर्ष 7मा 23दि
मंगल	01:39:20	कर्क	सूर्य	मक	19:31:51	मंगल
04/08/2025	09:26:04	मेष	चंद्र	मेष	14:14:08	26/09/2024
04/08/2032	13:50:27	कर्क	मंगल	धनु	09:00:12	27/09/2031
मंगल 31/12/2025	14:10:24	मिथु	बुध	धनु	24:26:06	मंगल 22/02/2025
राहु 19/01/2027	04:22:51	मेष	गुरु व	मिथु	07:54:55	राहु 12/03/2026
गुरु 25/12/2027	21:49:51	मिथु	शुक्र व	धनु	27:56:32	गुरु 16/02/2027
शनि 02/02/2029	21:38:17	वृश्चि व	शनि	धनु	25:39:15	शनि 27/03/2028
बुध 30/01/2030	11:33:22	मीन व	राहु व	मक	22:46:11	बुध 24/03/2029
केतु 29/06/2030	11:33:22	कन्या व	केतु व	कर्क	22:46:11	केतु 20/08/2029
शुक्र 29/08/2031	29:49:47	वृश्चि व	हर्ष	धनु	13:52:29	शुक्र 21/10/2030
सूर्य 04/01/2032	12:25:22	धनु व	नेप	धनु	19:28:57	सूर्य 25/02/2031
चन्द्र 04/08/2032	13:27:58	तुला	प्लूटो	तुला	23:58:48	चन्द्र 27/09/2031

लग्न-चलित

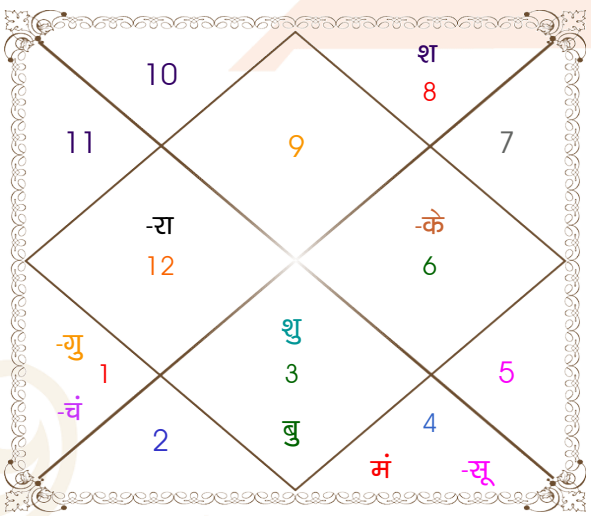

लग्न-चलित

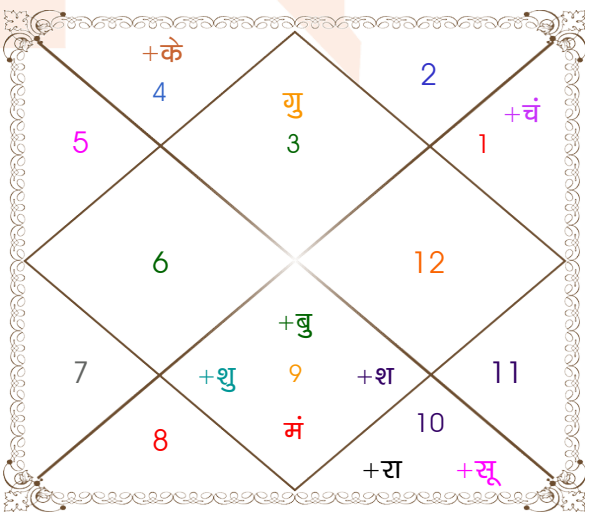

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	अश्व	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	34.00		

Mr. Chirag का वर्ग सिंह है तथा Ms. Nupoor का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. Chirag और Ms. Nupoor का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. Chirag मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. Chirag कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. Nupoor मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Ms. Nupoor कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Ms. Nupoor कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. Chirag तथा Ms. Nupoor में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।